Edition-11, July 2011

Monthly Newsletter

DC EDUTIMES

Defence P.G. College of Education
Bhuna Road, Tohana.

(Affiliated to CDLU, Sirsa & Approved by NCTE, Jaipur)

Highlights……..

- वार्षिक पारितोषिक वितरण कार्यक्रम
- सूक्ष्म शिक्षण कार्यक्रम
- डी. एड. प्रथम के दाखिला पत्र जमा
- एन. एस. एस. कैम्प
- कौशल विकास प्रशिक्षण शिवर

Two-Day National Seminar at Defence PG College of Education.

आपकी कर्मठता नींव के पत्थरों मे दर्ज है

डा. वीना सिंह
चेयरपर्सन, हेरीटेज वर्ल्ड सोसाईटी।

संदेश

बदलते परिवेश के अनुसार मनुष्य एवं समाज दोनों का बदलना नितान्त आवश्यक होता है। मनुष्य अपने को सुरक्षित एवं संरक्षित तभी रख सकता है। जब वो अपनी बीती हुई घटनाओं का सही एवं गलत का आंकलन कर सही दिशा में चलने का प्रयास करें। यह तभी सम्भव हो सकता है। जब अपनी बीती घटनाओं का संकलन एवं प्रसार करें । इसी कडी में डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजूकेशन द्वारा एक सार्थक प्रयास किया जा रहा है। जिसका मै हार्दिक दिल से शुभकामनाओं के साथ इस 'न्यूसलैटर' को सम्पादित करने की सम्मति प्रदान करती हूँ।

डा. वीना सिंह
चेयरमैन, हेरीटेज वर्ल्ड सोसाईटी।

संदेश

जीवन जीने की एक कला है जो किसी किसी को आती है। जो व्यक्ति इस कला को सीख जाता है। उसे उत्कृष्ट मुकाम पर पहुचने से कोई नहीं रोक सकता। इसके लिए मनुष्य को चरित्र आचरण एवं ब्रंह्मयचार्य का दिवाना होना चाहिए। डीफेस पी.जी. कालेज ऑफ एजुकेशन द्वारा जो न्यूज स्लैटर का सम्पादन किया जा रहा है। वह शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। इसके द्वारा कॉलेज की गतिविधियों से छात्र, अध्यापक, अभिवावक एवं समाज परिचित होता रहेगा। आशा है इसमें अपने सुझावों को देकर हमें अनुग्रहित करें

धन्यवाद सहित

प्रशासक
श्री वेदपाल मोर,

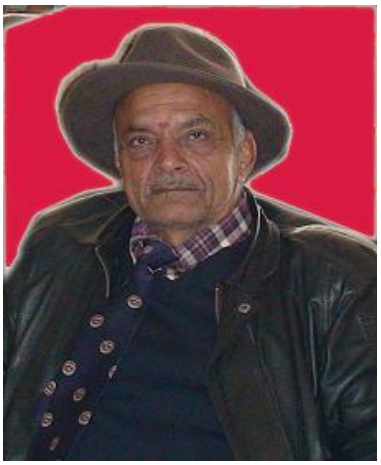

प्रशासक श्री वेदपाल मोर,

संदेश

समय के साथ बदलता परिवेश हर व्यक्ति को किसी न किसी रूप में अवश्य प्रभावित करता है, क्योंकि समय परिवर्तनशील है, उसी संदर्भ में मनुष्य की प्रवत्तियां भी बदलती रहती है। इसी परिप्रेक्ष्य में हमारा परिवार विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं संस्कार देकर उनकी असीम उर्जा को समाज हित में परिवर्तन करने की ओर अग्रसर है। डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा जो मासिक समाचार पत्र ''न्यूज स्लेटर'' का सम्पादन किया जा रहा वह शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। जिससे कॉलेज की प्रत्येक गतिविधि का पता हमारे समाज की हर इकाई तक पहुंचे। इससे विद्यार्थियों में सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।
हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

प्रिंसिपल
डा. राकेश दूबे

पर्यावरण

प्रकृति का कण–कण रहस्य से भरा हुआ है। इस रहस्य को समझने तथा उसके परिणामों को ज्ञात करने के लिए पर्यावरण विषय ने जन्म लिया। सृष्टि की उत्पति के सम्बन्ध में कई धारणाएं है, उनमें से एक विकासवाद है। इस धारणा के अनुसार आज से हजारों, लाखों तथा करोंड़ों वर्ष पूर्व पृथ्वी सूर्य से अलग होकर एक ग्रह के रूप में विकसित हुई। कालान्तर में उस पर जीवों की उत्पति और विकास हुआ। मानव उत्पति तथा प्रकृति का इतिहास और संबंध अत्यन्त प्राचीन तथा प्रकृति की विकास यात्रा का लम्बा चरण है।

मनुष्य ज्यों –ज्यों बुद्धि एवं संज्ञान के आधार पर आगे बढता गया, उसी क्रम में उसकी प्रकृति के रहस्यों को जानने की उत्कण्ठा और बलवती तथा अतृप्त होती चली गयी। मनुष्य ने भौतिक विकास के लिए सुख–सुविधाओं की प्राप्ति हेतु वस्तुओं की लम्बी सूची का निर्माण कर लिया और अपनी ज्ञान पिपासा को तृप्त करने के लिए नवीन साधनों की खोज करने लगा। इस कारण पर्यावरण – दिवस आज शिक्षा की महता तथा अनिवार्य आवश्कता बनकर हमारे समक्ष उभरा है व्यक्ति के आसपास व चारों ओर जो कुछ भी है , वही पर्यावरण कहा जाता है। मानव के चारों ओर फैले हुए वातावरण को पर्यावरण की परिधि में माना जाता है। वह पर्यावरण द्वारा वैयक्तिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में विकास करता है। अगर मानव को अच्छा वातावरण नहीं दिया जाए तो वह आदर्श मानव के रूप में अपने को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता।

डा. राजपाल सहसम्पादक

एन.एस.एस. में की कालेज की सफाई 30 जून से 2 जुलाई।

डिफेंस पी0जी0 कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित तीन दिवसीय एन.एस.एस. शिविर का समापन हुआ। शिविर के दौरान कॉलेज के 247 विद्यार्थियों ने कॉलेज प्रागंण में सफाई की तथा गमलों की रंगाई का कार्य किया। डा. भावेश चन्द दुबे ने कहा कि एन.एस.एस. का प्रचलन प्राचीनकाल की आश्रम व्यवस्था से प्रेरित होकर किया गया। उन्होंने इसे सामाजिक सेवा बताते हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि इसमें बढ़ चढ़ कर भाग लें। प्रिसिंपल डा. राकेश दूबे जी ने कहा कि एन.एस.एस. सहयोग की भावना से काम करना सिखाता है। एन.एस.एस. कैम्प में सभी छात्र–छात्राओं ने पूरी आत्मीयता से सहयोगपूर्वक कार्य किया

एन. एस. एस. कैम्प के दौरान बागवानी करते छात्र

STUDENT CORNER

WHAT IS LIFE?

Life is going on and on,
But towards the destination unknown.
All of us are living.
But for what?
Just to know about the pleasures,
And try to get,
Sometimes this and sometimes that,
Yet satisfaction is never attained,
All of us are thirsty and hungry,
Our thirst and hunger is endless,
It remains like an unfulfilled quest.

Sarika, B.Ed. R. No.-105

'' अजन्मी बेटी की पीड़ा''

मैं भी तो मासूम बेटी हुं
मुझसे क्यों घबरा रहें हो
देखने दो संसार मुझे भी,
क्यों भ्रूण हत्या करवा रहे हो।

मनव कहलाना चाहते हो,
मनवता से प्यार नहीं
जन्म तक लेने का मुझको
देते तुम अधिकार नहीं।
दुर्गा की बली चढाने वालों
जागरण क्यों करवा रहें हो।
देखने दो.....

कुल के लाल चिराग का,
रिश्ता कहां से आएगा।
नहीं बजेंगी शहनाइयां,
कुंवारा ही मर जाएगां।
पुत्र जन्म पर दीप जलाते
मेरी ज्योति बुझा रहे हो।
देखने दो .....

सुनिता कुमारी, बी.एड.
रो.न. 93

बेटी

मै भी तो हूँ बेटी तेरी
मेरी आंखों से आए पानी,
क्यों नहीं तुझे दया आती है।
मैं भी तो हूँ बेटी तेरी
मुझे क्यों मरवाती हैं।
प्यासी क्यों तरसूं माँ
एक बार जन्म लेण दे,
बेटी होने का गौरव माँ
एक बार पाण दे,
नाम हो रोशन तेरा
क्यों नही ये चाहती है।
मैं भी.....
वायदे से ना मुकरिये माँ,
मुझे बड़ा डर लगता है।
बेटी के नाम पर तुझे
क्यों सांप डसता है।
डायन बन देवी रूप पर माँ,
क्यों कंलक लगवाती है।
मैं भी तो.....
आंसुओं को पी रही हूँ और,
सब्र भी हैं दिल में,
घुट–2 कर जी रही हूँ।
बस कब्र है, इस गर्भ में,
तूं भी तो कभी लाडली
क्यों नही ये सीख पाती है।
मैं भी तो.....
छोड़ों रूढी रिवाजों को,
वो गुजरें हुए जमानें हैं।
बेटी है अब तो लाल माँ,
उपलब्धियों के उसके पास खजानें है।
नाम हो रोशन देश का,
क्यों नहीं ये अच्छाई भाती है।
मैं भी तो.....
एक बात सोच ले माँ तूं,
किसके जन्मी थी।
बेटी समझ के दिया जन्म जिसने,
वो बड़ी धर्मी थी।
बड़ा ये पुण्य माँ तूं
क्यों नही कमाती है।
मैं भी तो.....

प्रतिभा, बी. एड. रो.न. 77

वार्षिक पारितोषिक वितरण कार्यक्रम 1 जुलाई

डिफेंस पी0जी0 कालेज ऑफ एजुकेशन सस्थांन में 1 जुलाई को वार्षिक पारितोषिक वितरण सामारोह का आयोजन किया गया। इसमें विशिष्ट अतिथि के रूप आकाश कालेज ऑफ एजुकेशन के प्रिंसिपल श्री सुनील कडवासरा, एम0 यु0 एच0 जैन कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल श्री भीम सिंह, जिला सतर्कता एवं निगरानी कमेटी सदस्य डा0 शिव सचदेवा ने छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सही मायने में एक शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता होता है। क्योंकि वह बच्चों को देश की सस्कृति इतिहास व विरासत के बारे में जागरूक करता है। उन्होने भावी शिक्षकों का आहवान किया कि वे अपने शिष्यों को ऐसी शिक्षा प्रदान करें जिससे उनमें देश सेवा व समाज सेवा का जज्बा पैदा हो। इस वार्षिक वितरण समारोह में छात्र–छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे सोलो डांस, हरिवाणवी डांस, पंजाबी डांस, भाषण प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितिय व तृतिय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस वार्षिक वितरण समारोह का विद्यिवत रूप से संचालन डा0 अमिता अग्रवाल जी ने किया।

वार्षिक पारितोषिक वितरण कार्यक्रम

पी0जी0 कॉलेज के वार्षिकोत्सव में हुआ रंगारंग कार्यक्रम : 1 जुलाई

सही मायने में एक शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता होता है। यह बात जिला सतर्कता एवं निगरानी कमेटी सदस्य डा. शिव सचदेवा जी ने डिफेस पी0जी0 कॉलेज के वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्यातिथि कही। इससे पूर्व उन्होंने विशिष्ट अतिथि आकाश कॉलेज ऑफ एजुकेशन के वाईस प्रिसिंपल श्री भीम सिंह जी, आयोजक डिफेसं पी0जी0 कॉलेज के प्रिसिंपल डा. राकेश दुबे के साथ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभांरभ किया। समारोह में विद्यार्थियों ने कन्या भ्रूण हत्या व नशा खोरी पर नाटक प्रस्तुत किए व पंजाबी, हरियाणवी तथा राजस्थानी गीतों पर खूब डांस किए। छात्र–छात्रओं ने मोनों एक्टिंग सोलों डांस, ग्रुप सोंग आदि कार्यक्रमों में भाग लिया। छात्र–छात्राओं ने अदभुत डांस के माध्यम से भारतीय सांस्कृति का परिचय दिया।

डिफेंस पी0जी0 कालेज ऑफ एजुकेशन में मनाया विश्व जनसख्या दिवस : 11 जुलाई

डिफेंस पी0 जी0 कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 11 जुलाई को विश्व जनसख्यां दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष में विद्यार्थियों के बीच वाद–विवाद सहगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें अधिक जनसख्यां एक वरदान तथा अधिक जनसख्यां एक अभिशाप विषय पर वाद–विवाद सहगोष्ठी का आयोजन डा0 राजपाल के द्वारां सचांलन किया गया। छात्र–छात्राओं ने स्वस्थ प्रतियोगी भावना का परिचय देते हुए अपने–अपने विचारो को रखा । इसके पश्चात कालेज के प्रिसिपल डा0 राकेश दूबे जी ने विद्यार्थियों को अपने विचारों से अवगत करवाया ।

12 जुलाई से 21 जुलाई सुक्ष्म शिक्षण कार्यक्रम

डिफेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 12 जुलाई से 21 जुलाई तक डा0 भावेश दूबे जी ने छात्र – छात्राओं को सूक्ष्म शिक्षण के कौशल सिखाए ताकि विद्यार्थियों को शिक्षण–अभ्यास के लिए तैयार किया जा सके । इसमें भावेश दूबे जी ने विद्यार्थियों को सूक्ष्म शिक्षण का गहन अध्ययन करवाया जिससे बालकों में अभिप्रेरणा का संचार हुआ तथा उनमें आत्म विश्वास बढा ।

बी0 एड0 की परीक्षाए हुई 13 जुलाई 2011

बी0 एड0 की वार्षिक परीक्षाएं 13 जुलाई 2011 को शुरू हुई। कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय ने क्षेत्र के कॉलेजो के विद्यार्थियों के डिफेंसं पी0जी0 कॉलेज ऑफ एजुकेशन मे परीक्षा केंन्द्र स्थापित किए गए। डिंफेस कालेज के परीक्षा केन्द्र के सुपरिटेडेंट डा0 सुनील कडवासरा ने बताया कि उनके परीक्षा केन्द्र में 279 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। प्रशासक श्री वेदपाल मोर जी सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने परीक्षा में सहयोग दिया। परीक्षा सुचारू रूप से चली।

D.ED 1ST Admission Committee:

समन्वयक– डा0 राजपाल
सदस्य– 1 श्री अनिल कुमार
2 श्रीमती वन्दना दुबे

D.ED प्रथम के विद्यार्थियों के दाखिले के लिए कमेटी का गठन किया गया। उपरोक्त सदस्यों को इस कमेटी मे शामिल किया गया। इस कमेटी ने SCERT गुडगॉव द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करते हुए दाखिले का कार्य सम्पन्न किया। प्रत्येक छात्र–छात्रा के मूल प्रमाण पत्रों की जांच की गई तथा उनकी एक–एक सत्यापित प्रति ली गई ।

1 मैट्रिक मूल प्रमाण पत्र
2 10+2 मूल प्रमाण पत्र
3 आबंटित पत्र
4 जाति प्रमाण पत्र
5 रिहायशी मूल प्रमाण पत्र

इसके पश्चात संस्थान का दाखिला पत्र भरवा कर छात्र का दाखिला कर लिया गया। इस प्रकार पूर्ण प्रक्रिया विधिवत रूप से सम्पन्न हुई।

BIRTHDAY CONGRATULATION

Dear students Many Many Happy returns of the day. May God Bless you for the rich love and beauty that springs from your spirit.

July - 2011

Roll No.	Students Name	Birthday Dates
108	Minakshi	July-17
104	Anupriya Mishra	July-15
98	Gulnaj	July-6
64	Amit Kumar	July-7
146	Jyoti Singh	July-15
145	Mamta Singh	July-3
09	Rajpal	July-1
11	Renu	July-3

कौशल विकास ट्रेनिंग शिविर का आयोजन : 30 जून से 15 जुलाई

डिफेंस कॉलेज में 15 दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम के तहत निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 30 जून से कॉलेज परिसर में किया गया। कॉलेज के प्रवकता श्री राकेश कुमार जी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से पिछडी महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें स्वावलम्बी बनाकर अपने पैरों पर खड़ा करना है ताकि वह अपना व अपने परिवार का विकास कर सके। कार्यक्रम के तहत 20 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। इस कौशल विकास ट्रेनिगं शिविर में अुनसंधान अनुभवी डा. अमिता अग्रवाल के निर्देशन में प्रशिक्षण दिया।

सूक्ष्म शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम।

डिफेंस पी0जी0 कॉलेज ऑफ एजुकेशन में डी. एड. प्रथम के छात्र–छात्राओं को अभ्यास शिक्षण कार्य के लिए विभिन्न पाठशालाओं में भेजा गया। इसमें छात्र–छात्राओं को चार यूनिट में बांटा गया तथा उन्हें टोहाना के विभिन्न प्राथमिक पाठशालाओं में अभ्यास शिक्षण हेतु निम्नलिखित पर्वेक्षक के दिशा निर्देशन में भेजा गया इनका ब्यौरा इस प्रकार है :–

पाठशाला का नाम	पर्वेक्षक का नाम	छात्र–छात्राओं की संख्या
राजकीय प्राथमिक पाठशाला अनाज मंडी	–श्रीमति वन्दना दुबे, –डा0 सुरेन्द्र शर्मा	11
राजकीय प्राथमिक पाठशाला पार्क टोहाना	–श्री अनिल कुमार –डा0 उस्मान खान	11
राजकीय प्राथमिक पाठशाला हरिजन बस्ती	–अजंली भाटिया –डा0 विशाल सक्सेना	11
राजकीय प्राथमिक पाठशाला थाना, टोहाना	–श्रीमति रीतू सचदेवा –श्री जगत् पाल	11

STAFF CORNER

सफलता की विचारधारा

- हमें लोगों में नुक्ताचीनी नहीं, गुणग्रहण का भाव, मातृत्व की भावना, समन्वय की बुद्धि, धर्मो व कार्यो का यथोयोग्य अधिकार और श्रम की महिमा को जागृत करना है।
- अपने को किसी वस्तु का अधिकारी तो बनाओ परन्तु उसकी प्राप्ति की इच्छा न करो ।
- प्रत्येक काम को साहस और शांति के साथ करों। यही सफलता का साधन है।
- अपने प्रति सच्चे रहो और फिर विश्व में किसी अन्य वस्तु की परवाह न करों।
- यदि सत्य के लिए आपको अपनी देह त्यागनी पड़े तो त्याग दीजिए। यही अंतिम ममता है, जिसे हमें छोड़ना होगा।
- जहां मनुष्य की जिव्हा बोलने में असमर्थ हो जाती है, वहां पत्थर बोलना प्रांरभ कर देते हैं।

बी.एस. नैन, डी.सी. एजुटाईम, कम्पोजर

रिश्ते

'' न दिन से रिश्ता होता है, न रात से रिश्ता होता है,
हर शख्स का दुनियां में, हालात से रिश्ता होता है,,

यह जिन्दगी भी कितनी अजीब है और फिर इसके यह रिश्ते ? आज के भौतिक युग में हम जितनी तीव्रता से लोगों के साथ नए रिश्ते जोड़ते है। शायद उससे ज्यादा तीव्रता से उन रिश्तों को तोड़ने में संकोच नहीं करते । कई बार हम अंहकार के कारण सालों पुरानें रिश्तों को पल भर में तोड़ देते है और फिर इस कारण हमें उम्र भर पछताना पड़ता है। वास्तव में इन रिश्तों की अहियमत का अहसास तो हमें सुख–दुख के साथ होता है। आज के इस तेजी के साथ बदल रहें युग में हम खून के रिश्तों के अर्थ भी भूल चुके है। अब रिश्तों की बुनियाद प्यार तथा सद्भावना की जगह केवल स्वार्थ पर टिकी है। फूलों में यह विशेषता है कि वह जिस रंग में खिलतें है उसी रंग में मुरझा जाते है परन्तु मनुष्य ने इस प्राकृतिक नियम से कोई भी शिक्षा नहीं ली । रिश्तों को सजीव बनाए रखना एक कला है। जिसको जानना तथा सही तरह से उपयोग करना समय की मांग है।

प्रवक्ता,
नरेन्द्र रोहिला,

महिला सशक्तिकरण और शिक्षा

शिक्षा विकास की प्रक्रिया है। यह मानव जन्म के साथ शुरू होकर आजन्म उसे सिखाती है। शिक्षा ही वह प्रक्रिया है। जो मनुष्य को जीवन की विभिन्न भूमिकाओं के लिए शिक्षित व प्रशिक्षित करती है। शिक्षा मानव के सर्वागीण भूमिकाओं के लिए शिक्षित व प्रशिक्षित करती है। शिक्षा मानव के सर्वागीण विकास के लिए आवश्यक शर्त है। शिक्षा समाज रूपी गाड़ी के दो पहिये (नारी व पुरूष) को समान रूप से गतिशील बनाती है। किसी एक के कमजोर होने पर सामाजिक गतिशीलता कमजोर व अनियमित हो जाती है। साामाजिक गतिशीलता सामाजिक उत्थान की प्रक्रिया है। इस दृष्टि से महिला एवं पुरूष दोनों का समान रूप से शिक्षित व सबल होना परमावश्यक है।

भारतीय इतिहास के प्राम्भिक दिनों में स्त्री व पुरूष दोनों को समान शिक्षा के अवसर प्राप्त थे। ऐसा तत्कालीन ग्रन्थों से प्रभावित होता है। किन्तु कालान्तर में कुछ परिस्थितियां उत्पन्न हुयी जिनके प्रभाव स्वरूप स्त्री के समाज में न केवल द्वितीयक दर्जा प्रदान किया गया। बल्कि जीवन की मूलभूत आवश्यक शिक्षा से भी वंचित किया गया। बहुत दिनों तक नारी सामाजिक आर्थिक शोषण का शिकार रही। किन्तु पिंजरे के पंक्षी की भांति उसके मुक्ति के प्रयास भी जारी रहें मध्यकालीन सामाजिक सुधार आंदोलनों ने नारी सशक्तीकरण के प्रयास का गतिशीलता प्रदान किया और भारतीय संविधान ने तो उन्हें मुक्त आकाश में विचरण करने का अवसर व सुविधा दोनों प्रदान किया । महिला सशक्तीकरण के जो प्रयास किये गये और कियं जा रहे है। उनका वांछित परिणाम क्यों नहीं मिल रहा है। स्वयं महिला अपने सशक्तीकरण के लिए कितनी प्रयासरत है। आम आदमी को इस क्षेत्र मे क्या भूमिका हो सकती है।

प्रवक्ता,
वन्दना दूबे

'कौशल विकास ट्रेनिंग' शिविर का निरिक्षण करते हुए
डा. मीना, प्रशासक श्री वेदपाल मोर व डा. अमिता अग्रवाल

अगस्त माह की गतिविधियों का विवरण इस प्रकार

1. 2 अगस्त से 12 अगस्त तक सूक्ष्म शिक्षण कार्यक्रम
2. 12 अगस्त को राखी सजावट प्रतियोगिता
3. 15 अगस्त को स्वतन्त्रता दिवस मनाया जाएगा।

पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता में भाग लेते हुए प्रतिभागी

Chief Editor- Dr. Rakesh Dubey, Editor – Dr. Rajpal, Reporter- Mr. Narender Rohila,
Composer – Mr. Balkar Singh Nain